2013

सामान्य हिन्दी
प्रश्न पत्र - I
GENERAL HINDI
Paper - I

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*
Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 200*

नोट : (i) ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
(ii) ***प्रत्येक*** *प्रश्न के अंक उसके दाहिनी ओर अंकित हैं ।*
(iii) *उत्तरपुस्तिका के अन्दर कहीं भी अपना नाम या अनुक्रमांक न लिखें । पत्रादि के अंत में क्ष, त्र, ज्ञ लिख सकते हैं ।*

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **400** शब्दों का निबन्ध लिखें : **40**
(क) भूमण्डलीकरण और उपभोक्ता संस्कृति
(ख) प्राकृतिक आपदाएँ
(ग) साहित्य और समाज
(घ) राष्ट्र धर्म और आत्मधर्म
(ङ) 'सोशल नेटवर्किंग' का महत्त्व

2. शिक्षा अपने सीमित अर्थ में जीवन के लिए तैयारी मानी जा सकती है, परन्तु व्यापक अर्थ में वह जीवन का चरम उद्देश्य ही रहेगी । इन सीमित और व्यापक अर्थों में कोई अन्तर्विरोध संभव नहीं है, क्योंकि सीमित, व्यापक अर्थ में अन्तर्भूत रहता है । मनुष्य व्यापक समष्टि का अंग और विश्व नागरिक होकर भी किसी देश विशेष का नागरिक और समाज विशेष का अंग होता है और इस नाते विशेष कर्त्तव्यों और अधिकारों से घिरा रहता है । विसंगति तब उत्पन्न होती है, जब शिक्षा निरुद्देश्य तैयारी मात्र रह जाती है, क्योंकि वह परिणामहीन क्रियाशीलता है । जिस प्रकार नींव के कंपन के साथ समस्त भवन हिल जाता है, उसी प्रकार उद्देश्य या लक्ष्य की अस्थिरता से शिक्षा के सभी सोपान अस्थिर हो जाते हैं । शैशव में व्यक्तित्व अविकसित रहता है, अत: लक्ष्य के प्रश्न अनदेखे कर दिए जाते हैं, किशोरावस्था में व्यक्तित्व निर्माण के क्रम में रहता है, अत: उसकी परिणति के सम्बन्ध में विचार नहीं किया जाता, परन्तु कर्मक्षेत्र के प्रवेशद्वार पर जब शरीर से अस्वस्थ और मन से हताश तरुण पहुँचता है, तब जीवन और समाज दोनों की स्थिति संकटापन्न हो जाती है । हमारे महादेश को पराजय की तमिस्रा के दीर्घ युग पार करने पड़े हैं और इस अभिशप्त यात्रा में उसने जीवन के लिए आवश्यक पाथेय का जो मूल्यवान अंश खोया है वह शिक्षा का दर्शन है । यह निर्विवाद है कि कोई भी विजेता विजित देश पर शासन-मात्र का अधिकार प्राप्त कर संतुष्ट नहीं होता । वह विजित पर सांस्कृतिक विजय भी चाहता है, जिसका सहज पर अव्यर्थ माध्यम शिक्षा ही रहती है । परशासित देश में शिक्षा का उद्देश्य वह नहीं हो सकता, जो स्वशासित देश के लिए आवश्यक है । स्वशासित देश को अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक, राष्ट्रीय आदि मूल्यात्मक निधियों के लिए उपयुक्त उत्तराधिकारियों का निर्माण करना होता है और परतन्त्र देश के परशासकों को अपनी स्थिति यथावत बनाए रखने के लिए आवश्यक सहायक । दोनों स्थितियों में शिक्षा लक्ष्यत: कार्यत: और परिणामत: भिन्न हो तो आश्चर्य नहीं ।
(क) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **5**
(ख) मूल गद्यांश का सारांश लिखिए । **20**
(ग) उपर्युक्त गद्यांश के तीन रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए । **15**

3. (i) निम्नलिखित विषयों में से किस **एक** का पल्लवन कीजिए : **15**

(क) दैव दैव आलसी पुकारा ।

(ख) युवाशक्ति

(ग) अधिकार खोकर बैठे रहना, यह महा दुष्कर्म है ।

न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है ।।

(घ) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है ।

(ङ) विज्ञान मानव जीवन का अविभाज्य अंग है ।

(ii) उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड द्वारा विभिन्न सरकारी महाविद्यालयों में रिक्त प्रवक्ता पदों हेतु जानकारी चाही गई है, एतद्विषयक एक शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **15**

अथवा

गढ़वाल विश्वविद्यालय में जुलाई माह में बीएड की प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की काउन्सलिंग होनी है, इस विषय में समाचार पत्रों के लिए कुलसचिव, हेमवतीनन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की ओर से एक विज्ञप्ति तैयार कीजिए ।

4. (क) किन्हीं **पाँच** शब्दों के **चार-चार** पर्यायवाची लिखिए : **10**

(i) सूर्य (v) घोड़ा

(ii) आजीविका (vi) हिमालय

(iii) कुसुम (vii) पयोधि

(iv) अन्तरिक्ष (viii) अर्जुन

(ख) किन्हीं **पाँच** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : **5**

(i) अभ्यस्त (v) क्षुद्र

(ii) ऋत (vi) आभ्यन्तर

(iii) कायर (vii) ईप्सित

(iv) निर्वचनीय (viii) ठोस

(ग) किन्हीं **पाँच** शब्दों में से प्रत्येक में समास का नाम लिखिए : **5**

(i) आनन्दमय (v) कर्मभूमि

(ii) यथामति (vi) विद्याधन

(iii) नीलोत्पल (vii) न्यूनाधिक

(iv) वीणापाणि (viii) सप्तशती